सत्यमेव जयते

# प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग–राजस्थान सरकार

## SIQE के अन्तर्गत

## लर्निंग आउटकम्स अनुरूप सी.सी.ई./सी.सी.पी./ए.बी.एल. आधारित

## vkdyu lpd vdu ifLrdk ¼pdfyLV½

## कक्षा : 1 से 5 तक

## विषय : गणित

## सत्र 2018–2019

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

# अधिगम प्रतिफल आधारित शिक्षण आकलन प्रक्रिया एवं संरचना

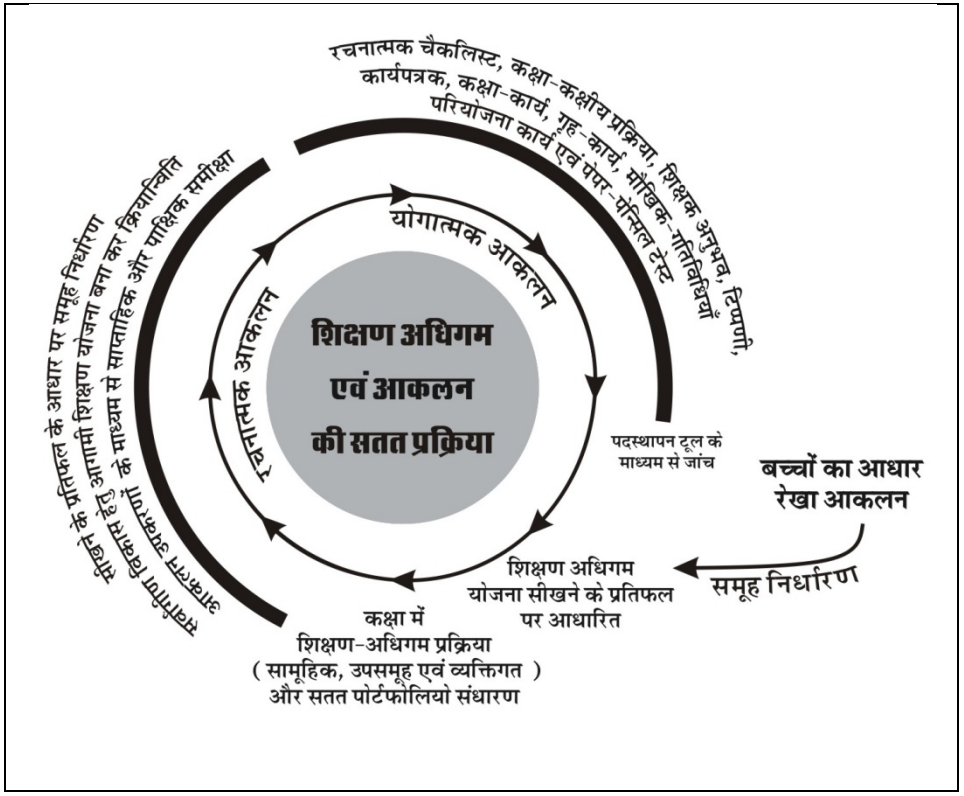


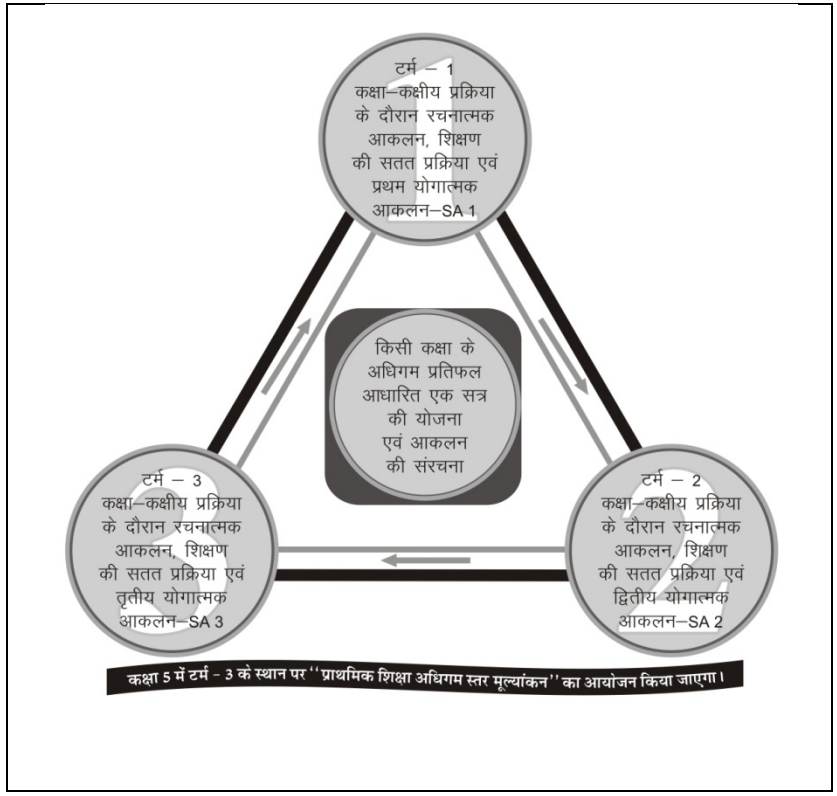


## सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्

# lj{kd e.My ,oa lkexh fuekZ.k leg

| | |
|---|---|
| lj{kd | % Jh ujs'k iky xxokj] iwoZ eq[; 'kklu lfpo] Ldwy f'k{kk ,oa HkkÔkk foHkkx]jktLFkku ljdkj] t;iqj |
| lg&lj{kd | % Mk- tkxkjke] vk;qDr] jktLFkku ikB~;iqLrd e.My] t;iqj |
| | % Jherh f'kokxh Lo.kZdkj] funs'kd] jktLFkku ek/;fed f'k{kk ifj"kn] t;iqj |
| | % Jh ';ke flag jktiqjksfgr] funs'kd] ikB~;iqLrd f'k{kk jktLFkku] chdkusj |
| | % Jh uFkey fMMsy] funs'kd] ek/;fed f'k{kk jktLFkku] chdkusj |
| | % Mk- fiz;k cyjke] mik;qDr **(SIQE)**] jktLFkku ikB~;iqLrd f'k{kk ifj"kn] t;iqj |
| | % Jherh vkHkk cstuhoky] mik;qDr **(SIQE)**] jktLFkku ek/;fed f'k{kk ifj"kn] t;iqj |
| eq[; ekxZn'kZd | % Jh fnus'k dkBkjh] funs'kd] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj |
| ekxZn'kZd | % Jh lqHkk"k 'kekZ] mifuns'kd] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj |
| ijke'kZ | % Mk- Mh-Mh- xkSre] mifuns'kd ¼lhlhbZ½] jk-i-k-f'k-ifj"kn] t;iqj |
| | % Jh ekfgr dqekj] lgk;d funs'kd ¼lhlhbZ½] jk-i-k-f'k-ifj"kn] t;iqj |
| | % Jherh lq;xuk jko;] f'k{kk fo'ks"kK] ;fuls Q] t;iqj |
| iHkkjh vf/kdkjh | % Mk- xkSfoUn flag] ofj"B O;k[;krk] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj |
| leUo;d ,oa iHkkjh | % Mk- vejrk nk/khp] O;k[;krk] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj |

lkexh fuekZ.k lfefr

| | |
|---|---|
| 1- Jh eqUukyky Mkdksr | % lsokfuo-] f t-f'k-v- fpÙkkSMx<+ |
| 2- Jherh lquhrk xqykVh | % o-v-] jk-ek-fo- eqdcf/kj fo-] chdkusj |
| 3- Jherh yfyrk ikyhoky | % v/;kfidk] jk-m-ek-fo- jkeiqjk Mkcjh] t;iqj |
| 4- Jherh e/kfqflag pkgku | % v/;kfidk] jk-m-i-k-fo- vo/kiqjh] t;iqj |
| 5- Jh HkkxpUn 'kekZ | % v/;kid] jk-m-i-k-fo- >kjMk] jkex<+] vyoj |
| 6- Jh iou dqekj lqFkkj | % v/;kid] jk-m-i-k-fo-tS-,l-,u- Cykd ukgj] guqekux<+ |
| 7- Jh lqjs'k dqekj fctkjf.k;k | % v/;kid] jk-m-i-k-fo- jkik[kMh Mx] >kykokM |
| 8- Jh jkts'k dqekj 'kekZ | % lhfu;j Qsyks] ck/k f'k{kk lfefr] t;iqj |
| 9- Jh /khjsUnz dqekj | % lykgdkj **(SIQE)**] ek- f'k- funs'kky;] chdkusj ¼ck/k f'k{kk lfefr½ |
| 10- Jh fot; 'kekZ | % tsM- ,l- ,Q- 0kk.kh lsLFkk ¼;fuls Q½] t;iqj |
| 11- Jh fnyhi 'kekZ | % Mh- ,l- ,Q- 0kk.kh lsLFkk ¼;fuls Q½] t;iqj |

# आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट) की प्रविष्टियों के लिए निर्देश

- यह पुस्तिका शिक्षक द्वारा वर्ष पर्यन्त विद्यार्थियों के साथ किए गए कार्यों की प्रगति का आईना है।
- सतत एवं व्यापक आकलन हेतु प्रस्तुत पुस्तिका में विद्यार्थियों की अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन को दर्ज किया जाना है।
- प्रस्तुत पुस्तिका में निम्नानुसार 6 प्रारूप दिए गए है –
  **प्रारूप 1.** विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण (समूह 1 व समूह 2)
  **प्रारूप 2.** टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण।
  **प्रारूप 3.** बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति
  **प्रारूप 4.** शिक्षक अनुभव
  **प्रारूप 5.** टर्मवार योगात्मक आकलन
  **प्रारूप 6.** शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक
- **प्रारूप 1 :विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण** :–
  - प्रत्येक टर्म के प्रारम्भ में कक्षा में नामांकित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक इस प्रारूप में समूहवार ( समूह 1 व समूह 2 ) लिखे जाने हैं। ध्यान रहे कि अनुक्रमांक अध्यापक योजना डायरी के आधार पर लिखे जावें।
  - टर्म 1 के प्रारम्भ की स्थिति में आधार रेखा/ पदस्थापन के आधार पर अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - टर्म 2 के प्रारम्भ की स्थिति में प्रथम टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - टर्म 3 के प्रारम्भ की स्थिति में द्वितीय टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - सत्रांत की स्थिति में SA 3 के बाद की स्थिति के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - शिक्षक का सतत प्रयास रहे कि समूह 2 के विद्यार्थियों के साथ उनकी आवश्यकतानुसार कार्य करते हुए समूह 1 के स्तर तक लाया जाए।
- **प्रारूप 2 : टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण** :–
  - इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–30 तक अंकित है। कक्षा में 30 से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अतिरिक्त पृष्ठ उपयोग में लिया जाना हैं।
  - इस प्रारूप में शिक्षक कक्षा में कार्य करते हुए विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के कॉलम में A/B/C ग्रेड दर्ज करेंगे। एक रचनात्मक आकलन में दो आवृति निर्धारित है जिसकी पूर्ति कर ग्रेड अंकित की जानी है।
  - कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में रचनात्मक आकलन में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड A/B/C दर्ज की जानी हैं।
- **प्रारूप 3 : बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** :–
  - इस प्रारूप में शिक्षक समूह 2 के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखेंगे और उनके स्तरानुसार कार्य करते हुए प्रगति दर्ज करेंगे।
  - कक्षा 1 में बुनियादी दक्षताओं से सम्बंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति प्रारूप नहीं है। यह प्रारूप कक्षा 2 से कक्षा 5 तक दिया गया है।
  - पर्यावरण अध्ययन विषय में बुनियादी दक्षताएँ भाषा एवं गणित विषय में समाहित है। अतः पर्यावरण अध्ययन विषय में यह प्रारूप नहीं दिया गया है।

- प्रत्येक कक्षा के तृतीय टर्म के बाद पूर्व कक्षा की बुनियादी दक्षताओं की चैकलिस्ट दी गई है। जिसमें सम्बंधित विद्यार्थियों के रोल नं. लिखकर उनकी उपलब्धि प्रगति को दर्ज किया जाना है।
- शिक्षक प्रत्येक कक्षा में समूह 2 के विद्यार्थियों के साथ उनकी आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण कार्य करते हुए उन्हें समूह 1 में लाने का प्रयास करें।

- **प्रारूप 4 : शिक्षक अनुभव** :–
  - इस प्रारूप में शिक्षक आकलन के दौरान अनुभव की गई विशेष बातों, चुनौतियों, प्रमुख अनुभवों को लिखेंगे।
  - यह लेखन बच्चों के प्रगति दर्ज करने, योजना बनाने व शिक्षण प्रकिया में शिक्षक की मदद करेगा।
- **प्रारूप 5 : टर्मवार योगात्मक आकलन** :–
  - इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–30 तक अंकित है। कक्षा में 30 से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अतिरिक्त पृष्ठ उपयोग में लिया जाना हैं।
  - इस प्रारूप में शिक्षक पोर्टफोलियों, रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, मौखिक क्रियाएँ परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया, शिक्षक अनुभव एवं समयावधि पर किए जाने वाले पेपर पेंसिल टेस्ट के आधार पर ग्रेड दर्ज करेंगे।
  - ध्यान रहे कि योगात्मक आकलन से समेकित ग्रेड वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका में दर्ज करनी होगी। चूंकि यह शिक्षक की स्वायत्तता का क्षेत्र है। अतः इसका कोई गणितीय सूत्र निर्धारित नहीं है।
  - हिन्दी, अंग्रेजी व गणित में जिन अधिगम क्षेत्रों के सम्मुख कक्षास्तर अंकित है, उनके सामने सम्बंधित टर्म के दौरान विद्यार्थी ने जिस कक्षास्तर की उपलब्धि प्राप्त की वह कक्षा अंकित की जाएगी। नीचे दिए गए सूचकों में टर्म के दोरान विद्यार्थियों की उपलब्धि की ग्रेड दी जाएगी।
  - कक्षा 1व 2 के पर्यावरण विषय में योगात्मक आकलन **SA-I** व **SA-III** में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड **A/B/C** दर्ज की जानी हैं।
  - यह प्रारूप इस पुस्तिका से पृथक कर वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका के साथ विद्यालय में स्थायी रूप से रखना होगा।
- **प्रारूप 6 : शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक :–**
  - इस प्रारूप में SA 1 और SA 3 के दौरान विद्यार्थियों की शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सापेक्ष ग्रेड दर्ज की जाएगी।
- **ग्रेड लिखने का आधार –**

  A = स्वतन्त्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना।

  B = शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना।

  C = शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना।

## ik:Ik & 1 fo|kfFk;ksa dk Ve'okj&fooj.k

| नामांकित कक्षा | कक्षा 1 विद्यार्थियों के अनुक्रमांक | | कक्षा 2 विद्यार्थियों के अनुक्रमांक | | कक्षा 3 विद्यार्थियों के अनुक्रमांक | | कक्षा 4 विद्यार्थियों के अनुक्रमांक | | कक्षा 5 विद्यार्थियों के अनुक्रमांक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कक्षा स्तर | समूह 1 | समूह 2 | समूह 1 | समूह 2 | समूह 1 | समूह 2 | समूह 1 | समूह 2 | समूह 1 | समूह 2 |
| टर्म -1 के प्रारम्भ की स्थिति | | | | | | | | | | |
| टर्म -2 के प्रारम्भ की स्थिति | | | | | | | | | | |
| टर्म -3 के प्रारम्भ की स्थिति | | | | | | | | | | |
| सत्रान्त की स्थिति | | | | | | | | | | |

uksV& • leg 1 d{kk Lrj ds vuq:Ik ,oa leg 2 d{kk Lrj ls U;wu n{krk

# प्रारूप–2 टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण

## प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| खिसकने, लुढ़कने के आधार पर चीजों का वर्गीकरण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीजों को गिनकर संख्या लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 10 तक की संख्या में चीजों का अंदाजा लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| शून्य की अवधारणा को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर संख्या लिख व पहचान पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़ की अवधारणा एवं इकाई में इकाई के जोड़ को लिखित में कर पाना। (योगफल 10 से कम) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| घटाव की अवधारणा एवं इकाई से इकाई के घटाव को लिखित में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

## द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर संख्या लिख व पहचान कर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीजों को गिनकर संख्या लिख व पहचान पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बताना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 51 से 99 तक की संख्याओं को पहचानना, बोलना व क्रम से लिखने की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़ की अवधारणा एवं इकाई में इकाई के जोड़ को लिखित में कर पाना। (1 से 50 तक की संख्या में) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दो अंकों की संख्या में से एक अंक, दो अंकों की संख्या घटा पाना। (1 से 50 तक की संख्या में) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 रुपये तक राशि में चीजों की कीमत का अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 रुपये तक राशि में जोड़–घटाव कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| असमान, अमानक इकाई के प्रयोग से लम्बाई का मापन कर पाना। (बालिस्त, हाथ, कदम आदिं) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| पहले व बाद की घटनाओं को क्रमानुसार बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है?) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले– बाद में आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| खिसकने, लुढ़कने के आधार पर चीजों का वर्गीकरण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर व लिखकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 51 से 99 तक की संख्याओं को पहचानना, बोलना व क्रम से लिखने की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़ की अवधारणा एवं इकाई में इकाई के जोड़ को लिखित में हल कर पाना। (1 से 50 तक की संख्या में) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दो अंकों की संख्या में से एक अंक, दो अंकों की संख्या घटा पाना। (1 से 50 तक की संख्या में) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 रुपये तक की चीजों का लेन–देन कीमत के अनुमान के आधार पर एवं जोड़–घटाव करके कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| असमान, अमानक इकाई के प्रयोग से लम्बाई का मापन कर पाना। (बालिस्त, हाथ, कदम आदिं) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| पहले व बाद की घटनाओं को क्रमानुसार बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिजाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज की फर्रियों से सजावट कर पाना आदि) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप 4 : शिक्षक अनुभव

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

ik: i&5 Veokj ;kxkRed vkdyu

कक्षा : 1

¼;kxkRed vkdyu dh xzM dk fu/kkj.k ikVQkfy;k] Irr jpukRed vkdyu pdfyLV] d{kk&dk;] xg&dk;] ;k tuk Mk;jh dh leh{kk] ekf[kd fØ;k,] ifjppk] d{kk&d{kh; ifØ;k,] f'k{kd vuHko ,o fo|kFkh }kjk fd, x, dk; o i=ij ifUly VLV vkfn dk /;ku e j[k dj fd;k tkuk gA½

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| छोटा–बड़ा, पहले–बाद, अन्दर–बाहर ऊपर–नीचे जैसे शब्दों की समझ के आधार पर तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| खिसकने, लुढ़कने के आधार पर चीजों का वर्गीकरण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम (1 से 10/1 से 20/ 1 से 50 ) पढ़कर/ सुनकर चीजों को गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम (1 से 10/1 से 20/ 1 से 50 ) सुनकर एवं चीजों को गिनकर संख्या लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं (1 से 10/1 से 20/ 1 से 50) की तुलना व मात्रात्मक बोध कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 51 से 99 तक की संख्याएं बोलना, लिखना एवं क्रम से बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इकाई में इकाई एवं दहाई में इकाई का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित में कर पाना। (योगफल 10 से कम / 20 से कम/ 50 से कम ) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इकाई से इकाई एवं दहाई से इकाई का बिना उधार का घटाना। मौखिक व लिखित में हल कर पाना। (1 से 50 तक की संख्या में) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (20 रु. तक ) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| पहले व बाद की घटनाओं को क्रमानुसार बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| असमान, अमानक इकाई के उपयोग से लम्बाई का मापन कर पाना (बालिस्त, हाथ, कदम आदि )। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व आकृति के आधार पर पैटर्न खोजना, बढ़ा पाना और नए पैटर्न बना पाना।<br>• चित्रों से । चित्रों की संख्याओं में<br>• परिवेशीय डिजाइनों में | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–6 शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणित के प्रति रुझान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–2 टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण

## प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण देना तथा त्रिआयामी चीजों को ट्रेसिंग करके द्विआयामी पृष्ठों की पहचान कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयामी आकृतियों जैसे घन, घनाभ, गोला, बेलन, शंकु को नाम से पहचान पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| द्विआयामी आकृतियों को अपनी परिवेशीय वस्तुओं एवं चित्रों में पहचान पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीजों के सापेक्ष समझा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सीधी (खड़ी, पड़ी और तिरछी ) तथा घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वस्तुओं के आकार, आकृति एवं रंगों आदि गुणधर्मों के आधार पर वर्गीकरण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10–10 के समूहों एवं खुल्लों की मदद से संख्याओं का निरुपण एवं मुद्रा के अनुप्रयोग द्वारा संख्या निरूपण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीजों की संख्या लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अंकों की पुनरावृति से संख्या निर्माण, तुलना एवं स्थानीय मान को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या रेखा (गिनमाला) पर संख्याओं को दर्शा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई का बिना हासिल का जोड़ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई का बिना उधार का घटाव कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई के बिना हासिल के जोड़ पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़–घटाव के परिणामों का अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या रेखा पर जोड़–घटाव कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| एक ही संख्या के बार–बार के जोड़ को गुणा के रूप में समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीजों को गिनना एवं लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई का बिना हासिल का जोड़कर व बिना उधार का घटाव कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई के बिना हासिल के जोड़ व बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| एक ही संख्या के बार–बार के जोड़ को गुणा के रूप में समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भाग की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं बार–बार घटाने के रूप में समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| परिवेशीय चीजों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यवहारिक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| एक, पाँच, दस व बीस रुपये की मुद्रा से कुल 100 रुपये तक की राशि में हिसाब–किताब कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संकलित आँकड़ों का विश्लेषण समझ के साथ कर निष्कर्ष निकाल पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयामी आकृतियों जैसे घन, घनाभ, बेलन, शंकु, गोला आदि की नाम से पहचान एवं सीधी व घुमावदार रेखाओं द्वारा सरल चित्रों की रचना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या रेखा (गिनमाला) पर संख्याओं को दर्शा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई का बिना हासिल का जोड़कर व बिना उधार का घटाव कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई के बिना हासिल के जोड़ व बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा व भाग की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यवहारिक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| एक, पाँच, दस व बीस रुपये की मुद्रा से कुल 100 रुपये तक की राशि में हिसाब–किताब कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व आकृति के आधार पर पैटर्न खोज कर आगे बढ़ा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ठोस चीजों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे आगे बढ़ा पाना तथा नये पैटर्न बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या पट्टी पर संख्याओं के सरल पैटर्न को खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संकलित आँकड़ों का विश्लेषण समझ के साथ कर निष्कर्ष निकाल पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

## प्रारूप–3 पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–2 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

| कक्षा–1 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–4 : शिक्षक अनुभव

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

## ik : i&5 Ve'okj ;kxkRed vkdyu

**कक्षा : 2**

¼;kxkRed vkdyu dh xkM dk fu/kkj.k ikVQkfy;k] lrr jpukRed vkdyu pkdfyLV] d{kk&dk;]xg&dk;] ;ktuk Mk;jh dh leh{kk] ekf[kd fØ;k,] ifjppk] d{kk&d{kh; ifØ;k,] f'k{kd vuHko ,o fo|kFkh }kjk fd, x, dk;l o ijj ifUly VLV vkfn dk /;ku e j[k dj fd;k tkuk gA½

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयामी चीजों का वर्गीकरण कर पाना। (सहज रूप में देखकर, सरकाकर एवं लुढ़काकर, उनके तल, कोने, किनारे गिनकर) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयामी आकृतियों घन, घनाभ, गोला, बेलन, शंकु की पहचान तथा त्रिआयामी व द्विआयामी आकृतियों के सम्बन्ध को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** — **कक्षा स्तर** | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीजों को गिनकर बता पाना। 1–50 तक (कक्षा–1) 1–100 (कक्षा–2) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम सुनकर एवं चीजों को गिनकर संख्या लिख पाना। 1–50 तक (कक्षा–1) 1–100 (कक्षा–2) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संख्याओं की तुलना कर पाना।<br>1–50 तक (कक्षा–1) 1–100 (कक्षा–2) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना।<br>1–50 तक (कक्षा–1) 1–100 (कक्षा–2) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना।<br>1–50 तक (कक्षा–1) 1–100 (कक्षा–2) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** / **कक्षा स्तर** | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना। एक अंक का (कक्षा–1)<br>दो अंकों का (कक्षा–2) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। जोड़ व घटाव (बिना हॉसिल)<br>(केवल कक्षा–2 के लिए) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा व भाग की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना। (केवल कक्षा–2 के लिए) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| मापन की समझ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चीजों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (100 रुपये तक में) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों की मात्रा का विविध भौतिक राशियों (भार, धारिता एवं लम्बाई ) के संदर्भ में अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों का मापन कर पाना। (अमानक इकाइयों से ) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना। चित्रों से, चित्रों की संख्याओं में, परिवेशीय डिजाइनों में | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना। (संख्या रेखा पर) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना। संकलन, संगठन, निष्कर्ष आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–6 शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणित के प्रति रुझान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–2 टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण

## प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 999 तक की संख्याओं को पढ़ पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं के विस्तारित रूप की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं की तुलना करने की समझ बना पाना।(स्थानीय मान के आधार पर 999 तक की) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं को अंकों से शब्दों एवं शब्दों से अंकों में एवं देवनागरी अंको का अन्तर्राष्ट्रीय अंकों में निरुपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल का जोड़ मानक प्रचलित कलन–विधि से कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों तक की संख्याओं का हाँसिल का जोड़ स्थानीयमान की मदद से कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तीन अंकों की संख्याओं का बिना उधार का घटाव मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों की संख्याओं का उधार का घटाव स्थानीय मान की समझ के साथ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दैनिक जीवन की जोड़–घटाव की समस्याओं को मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 से 10 तक पहाड़े बना व सुना पाना तथा 2, 3, 4, 5 व 10 के गुणज से परिचय एवं दैनिक जीवन में अनुप्रयोग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इकाई में इकाई व दहाई में इकाई के गुणा की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भाग की अवधारणात्मक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा व भाग की दैनिक जीवन की समस्याओं की इबारत समझकर समस्या समाधान कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वैदिक गणित का आरम्भिक प्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना।(एकाधिकेन एवं एक न्यूनेन से) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| द्विआयामी आकृतियों की पहचान तथा कोने, किनारे एवं विकर्ण की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सममित अक्ष खोजना, सममिति के आधार पर चीजें बनाना/पूरा करना एवं टॉप व्यू/साइड व्यू के आधार पर चीजों को विजुअलाइज कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मुद्रा पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर पाना एवं मूल्य सूची व बिल बनाने की अवधारणा को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 100 रुपये तक की राशि में खुल्ले कितने प्रकार से हो सकते हैं? समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| द्विआयामी आकृतियों की पहचान तथा कोने, किनारे एवं विकर्ण की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 999 तक की संख्याओं को पढ़ पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण व तुलना कर पाना तथा स्थानीय मान की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| बराबर बँटवारे के संदर्भ में आधा, पाव, सवा तथा ढाई जैसे शब्दों की मदद से हिस्सा बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| आधा, चौथाई, पाव, सवा तथा ढाई के निरुपण की आरम्भिक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों तक की संख्याओं का हाँसिल का जोड़ एवं उधार का घटाव स्थानीय मान की मदद से कर पाना।(इबारती प्रश्नों सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में इकाई का गुणा समझ के साथ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 से 10 तक पहाड़े बना व सुना पाना तथा 2, 3, 4, 5 व 10 के गुणज से परिचय एवं दैनिक जीवन में अनुप्रयोग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में इकाई का भाग समझ के साथ इबारती प्रश्नों सहित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कैलेण्डर पढ़कर माह, सप्ताह, दिन एवं दिनांक बता पाना तथा घड़ी का उपयोग करते हुए समय बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों में समान मानक की आवश्यकता को महसूस करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| समान अमानक इकाई के आधार पर विविध भौतिक राशियों में तुलना करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मानक इकाइयों ग्राम, किलोग्राम तथा साधारण तुला के उपयोग से वस्तुओं का भार मापन एवं दैनिक जीवन की स्थितियों में ग्राम, किलोग्राम मापों को जोड़ना व घटा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इंचटेप/पैमाने द्वारा लम्बाई का मापन सेन्टीमीटर में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| क्षेत्रफल की आरम्भिक समझ (खाने गिनकर) बना पाना एवं अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| आकृति एवं आकार के आधार पर पैटर्न खोजकर आगे बढ़ा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित पैटर्न खोजना एवं आगे बढ़ा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| परिवेशीय चीजों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सममिति पर आधारित कलात्मक कार्य कर रचना करना/पूरा कर पाना। (मुखौटे, वस्तु चित्र, नृत्य मुद्राएं आदि) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सममित अक्ष खोजना, सममिति के आधार पर चीजें बनाना/पूरा करना एवं टॉप व्यू/साइड व्यू के आधार पर चीजों को विजुअलाइज कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 999 तक की संख्याओं को पढ़ पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण व तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं को अंकों से शब्दों एवं शब्दों से अंकों में एवं देवनागरी का अन्तर्राष्ट्रीय अंकों में निरुपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| आधा, चौथाई, पाव, सवा तथा ढाई के निरुपण की आरम्भिक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| संक्रियाओं की समझ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल जोड़ कर पाना (इबारती प्रश्नों सहित)। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उधार व उधार का घटाव कर पाना। (इबारती प्रश्नों सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 10 तक पहाड़े बनाने की प्रारम्भिक समझ रख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा व भाग की दैनिक जीवन की समस्याओं की इबारत समझकर समस्या समाधान कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वैदिक गणित का आरम्भिक प्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मुद्रा पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मानक इकाइयों ग्राम, किलोग्राम तथा साधारण तुला के उपयोग से वस्तुओं का भार मापन एवं दैनिक जीवन की स्थितियों में ग्राम, किलोग्राम मापों को जोड़ना व घटा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों में समान मानक की आवश्यकता को महसूस करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इंचटेप/पैमाने द्वारा लम्बाई का मापन सेन्टीमीटर में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्षेत्रफल की आरम्भिक समझ ( खाने गिनकर ) बना पाना एवं अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सममित अक्ष खोजना, सममिति के आधार पर चीजें बनाना/पूरा करना एवं टॉप व्यू/साइड व्यू के आधार पर चीजों को विजुअलाइज कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| परिवेशीय सूचनाओं/जानकारियों को संकलित कर पाना (टैली चिन्ह की मदद से)। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चित्रालेख को समझ के साथ पढ़ पाना एवं निष्कर्ष निकाल पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

## प्रारूप–3 पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–3 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

| कक्षा–1 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| कक्षा–2 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीज़ों की संख्या का अनुमान 100 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **दहाई में दहाई के बिना हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| बार–बार जोड़कर गुणा एवं बार–बार घटाकर भाग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–4 : शिक्षक अनुभव

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

## ik: i&5 Ve¨okj ;kxkRed vkdyu

**कक्षा : 3**

¼;kxkRed vkdyu dh xzM dk fu/kkZj.k ikVQkfy;k] lrr jpukRed vkdyu p¨dfyLV] d{kk&dk;Z]x`g&dk;Z ;k tuk Mk;jh dh leh{kk] ekSf[kd fØ;k,] ifjppk] d{kk&d{kh; ifØ;k,] f'k{kd vuHko ,o fo|kFkh }kjk fd, x, dk;Z o iiz ifUly VLV vkfn dk /;ku e j[k dj fd;k tkuk gA½

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| आकृतियों को विविध कोणों से विजुअलाइज कर पाना | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयामी व द्विआयामी आकृतियों के सम्बन्ध को समझ पाना। ट्रेसिंग से पृष्ठीय विकास से नैट पर आकृति बनाकर द्विआयामी आकृतियों के कोने, किनारे एवं विकर्ण की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सममिति की समझ बनाना<br>अधूरे चित्र पूरे करना<br>सममित अक्ष खोजना | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** — **कक्षा स्तर** | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीजों को गिनकर बता पाना व लिख पाना। 1–99 (कक्षा–1)<br>1–100 (कक्षा–2) 1–999 (कक्षा–3) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संख्याओं की तुलना कर पाना।<br>1–50 (कक्षा–1)<br>1–100 (कक्षा–2) 1–999 (कक्षा–3) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना। 1–50 (कक्षा–1)<br>1–100 (कक्षा–2) 1–999 (कक्षा–3) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना।<br>1–50 (कक्षा–1)<br>1–100 (कक्षा–2) 1–999 (कक्षा–3) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| देवनागरी अंकों की समझ व अन्तर्राष्ट्रीय अंकों के संबंध को समझ पाना। (केवल कक्षा–3) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्न की प्रारम्भिक समझ बना पाना। ( जैस पाव, आधा, सवा, ढ़ाई आदि ) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** **कक्षा स्तर** | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना।<br>एक अंक का (कक्षा–1)<br>दो अंकों का (कक्षा–2) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। जोड़ व घटाव (बिना हॉसिल)<br>(केवल कक्षा–2 के लिए) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गुणा व भाग की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना। (केवल कक्षा–2 के लिए) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वैदिक गणित के सूत्र एकाधिकेन एवं एक न्यूनेन की अवधारणा समझ पाना। (केवल कक्षा–3) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। जोड़ व घटाव बिना हाँसिल (कक्षा–2) जोड़ व घटाव (हासिल) गुणा व भाग (कक्षा–3) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना तथा घड़ी का उपयोग कर समय बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों की मात्रा का विविध भौतिक राशियों के संदर्भ में अनुमान लगा पाना एवं मापन कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इंचटेप/पैमाने द्वारा सेन्टीमीटर में लम्बाई का मापन तथा ग्राम किलोग्राम द्वारा भार का मापन कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना। चित्रों से चित्रों की संख्याओं में परिवेशीय डिजाइनों में आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना। (संख्या रेखा पर जोड़–घटाव पर आधारित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना। संकलन, संगठन, आलेख निरूपण (पिक्टोग्राफ) विश्लेषण, निष्कर्ष आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–6 शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणित के प्रति रुझान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–2 टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण

## प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर चार अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं की तुलना करने में >, =, < के चिह्नों का प्रयोग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चार अंकों तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गिनती के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– संख्या चार्ट एवं पुस्तकालय में अमुक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों की संख्याओं में हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक व इबारती प्रश्न कलन विधि से हल करना।(देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों की संख्याओं में उधार के घटाव पर आधारित आंकिक व इबारती प्रश्न कलन विधि से हल करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11 से 20 तक पहाड़े बना एवं सुना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दहाई व सैंकड़े की संख्याओं के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न समझकर हल कर पाना व 10 के गुणा के पैटर्न को समझ पाना | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा करने के अलग–अलग तरीके काम में ले पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| एकाधिकेन पूर्वेण सूत्र का अनुप्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अपेक्षाकृत बड़ी व छोटी जटिल आकृति वाली चीजों के टॉप व्यू समझकर विजुअलाइज़ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयाम के द्विआयाम में पृष्ठीय विकास को समझ पाना। (नेट जाल की मदद से) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सममित वस्तु की पहचान एवं किसी चित्र में एक से अधिक सममित अक्ष खोज पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वृत के केन्द्र, त्रिज्या, परिधि एवं व्यास को बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों की स्थिति को समझ कर चित्रात्मक निरूपण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्यांकों की मदद से आधा, चौथाई, तीन चौथाई को समझ कर लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों की तुलना >, =, < के चिह्नों के प्रयोग से कर पाना तथा घटते - बढ़ते क्रम में लिख पाना। । | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सैंकड़े में इकाई व दहाई के भाग एवं भाग टूटी शून्य की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भाग पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सैंकड़े में दहाई व इकाई के गुणा व भाग पर आधारित इबारती प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| परिवेशीय चीजों/घटनाओं में पैटर्न खोजकर आगे बढ़ा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध संक्रियाओं पर आधारित पैटर्न खोज कर आगे बढ़ा पाना एवं नए पैटर्न बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विविध भौतिक राशियों का मानक इकाइयों में मापन करने की समझ के साथ तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीज़ों की मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नैट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के क्षेत्रफल व परिमाप का अनुमान लगाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कैलेण्डर पढ़ पाना एवं माह, दिन, दिनांक की समझ बना पाना तथा दो तारीखों के बीच समय अन्तराल को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| घन्टे व मिनट के रूप में समय बता पाना तथा AM और PM की समझ के साथ 24 घन्टे व 12 घन्टे की घड़ी में देखकर समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चार अंकों तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों को निरूपित एवं तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों की संख्याओं के लिए जोड़ व उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहीत) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई का गुणा की अवधारणात्मक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा व भाग पर आधारित समस्याओं को हल कर पाना।(देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| एकाधिकेन व पूर्वेण सूत्र का अनुप्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मुद्रा के लेन–देन से संबंधित चारों संक्रियाएँ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दो घटनाओं के मध्य समय अन्तराल की गणना जोड़ने–घटाने के माध्यम से कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अपेक्षाकृत बड़ी व छोटी जटिल आकृति वाली चीजों के टॉप व्यू समझकर विजुअलाइज़ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयाम के द्विआयाम में पृष्ठीय विकास को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वृत के केन्द्र, त्रिज्या, परिधि एवं व्यास को बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलना करना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्राप्त आंकड़ों को टेलीमार्क व पिक्टोग्राफ की सहायता से सूचीबद्ध कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्राप्त आँकड़ों का चित्रालेख/दण्ड आलेख बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

## प्रारूप–3 पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–4 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

| कक्षा–1 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| कक्षा–2 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीज़ों की संख्या का अनुमान 100 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **दहाई में दहाई के बिना हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| बार–बार जोड़कर गुणा एवं बार–बार घटाकर भाग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| कक्षा–3 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 999 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलना एवं अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उधार एवं उधार का घटाव स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 10 तक पहाड़े बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–4 : शिक्षक अनुभव

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

ik : i&5 Velokj ;kxkRed vkdyu

कक्षा : 4

(;kxkRed vkdyu dh xM dk fu/kkj.k ikVQkfy;ks] lrr jpukRed vkdyu pdfyLV] d{kk&dk;]xg&dk;] ;ktuk Mk;jh dh leh{kk] ekf[kd fØ;k,] ifjppk] d{kk&d{kh; ifØ;k,] f'k{kd vuHko ,o fo|kFkh }kjk fd, x, dk;Z o iij ifUly VLV vkfn dk /;ku e j[k dj fd;k tkuk gA½

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| आकृतियों को विविध कोणों से विजुअलाइज कर पाना एवं नजरी नक्शे को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| त्रिआयामी व द्विआयामी आकृतियों के सम्बन्ध को समझ पाना।<br>। ट्रेसिंग से । पृष्ठीय विकास से । नैट पर आकृति बनाकर आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वृत के केन्द्र, त्रिज्या, परिधि व व्यास को बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सममिति की समझ बनाना<br>। अधूरे चित्र पूरे करना<br>। सममित अक्ष खोजना | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| संख्या ज्ञान की समझ | कक्षा स्तर | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीजों को गिनकर बता पाना व लिख पाना। । 1–99 (कक्षा–1)<br>। 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3)<br>। चार अंकों तक की (कक्षा–4) | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं की तुलना कर पाना।<br>। 1–50 (कक्षा–1)<br>। 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3)<br>। चार अंकों तक की (कक्षा–4) | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना। । 1–50 (कक्षा–1)<br>। 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3)<br>। चार अंकों तक की (कक्षा–4) | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना।<br>। 1–50 (कक्षा–1)<br>। 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3)<br>। चार अंकों तक की (कक्षा–4) | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्न की समझ बना पाना।<br>• अवधारणात्मक (कक्षा–3)<br>• तुलना (कक्षा–4) | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | **कक्षा स्तर** | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना। । एक अंक का (कक्षा–1) । दो अंकों का (कक्षा–2) । दो अंकों का हँासिल सहित (कक्षा–3) । तीन अंकों का हँासिल सहित (कक्षा–4) | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पहाड़े बनाना एवं याद करना।<br>• 1–10 ( कक्षा–3)<br>• 11–20 (कक्षा–4) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणा व भाग की समझ बना पाना ।<br>• अवधारणात्मक (कक्षा–2 व 3 दोनों)<br>• गुणा चिह्न से परिचय (कक्षा–3)<br>• कलन विधि (कक्षा–4) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वैदिक गणित के सूत्र एकाधिकेन एवं एकन्यूनेन की समझ बना पाना।<br>• अवधारणा समझ पाना। ( कक्षा–3)<br>• सहायता से जोड़ व घटाव करना। (कक्षा–4) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। । जोड़ व घटाव बिना हाँसिल (कक्षा–2) । जोड़, घटाव, गुणा व भाग (कक्षा–3 व 4) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (जोड़, घटाव, गुणा व भाग के प्रयोग द्वारा) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| समय अन्तराल को समझ पाना।<br>• माह, दिन व दिनांक<br>• AM और PM के रूप में<br>• घंटे व मिनट में<br>• समय अन्तराल की गणना | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विविध भौतिक राशियों का मापन मानक इकाईयों की समझ से कर पाना।<br>• लम्बाई<br>• भार<br>• धारिता<br>• समय | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| क्षेत्रफल व परिमाप की आरम्भिक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना। । चित्रों से । चित्रों की संख्याओं में । परिवेशीय डिजाइनों में आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना।<br>• संख्या रेखा पर<br>• 10 के गुणज में<br>• जोड़–घटाव, गुणा–भाग पर आधारित | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना।<br>। संकलन । संगठन<br>। चित्रालेख/दण्डालेख, आलेख निरूपण<br>। विश्लेषण | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# ik : i&6 शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणित के प्रति रुझान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–2 टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण

## प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ रख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना, जिनमें से किसी भी संख्या में कोई भी अंक दोहराया नहीं जाएं। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| पाँच अंकों तक की संख्याओं को पढ़ने, लिखने व तुलना करने की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों की तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तुल्य भिन्न अवधारणा समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्न को दशमलव भिन्न में एवं दशमलव भिन्न को भिन्न रूप में लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़–घटाव की ड्रिल्स हल कर पाना एवं इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तीन अंकों की संख्या का तीन अंकों की संख्या से गुणा कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों की संख्या में दो अंकों की संख्या का भाग कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वैदिक गणित के निखिलम सूत्र का अनुप्रयोग गुणा में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणज व गुणन–खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| समान गुणज, सबसे छोटे समान गुणज की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| समान गुणन–खण्ड, सबसे बड़े समान गुणन खण्ड की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| योग, घटाव, गुणन एवं भाग में परिणाम का अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| समझ के आधार पर पहाड़े बना पाना एवं सुना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं के संक्रिया आधारित पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| पाँच अंकों की संख्याओं को पढ़ने, लिखने व तुलना करने की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों की तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तुल्य भिन्न अवधारणा समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़–घटाव की ड्रिल्स हल कर पाना एवं इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों की संख्याओं में दो अंकों की संख्याओं के गुणा व भाग के इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणज़ व गुणनखण्ड को विविध रूप में समझ पाना। (सबसे छोटे, समान, सबसे बड़ा ) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| एकत्रित आंकड़ों को टेलिचिह्न व पिक्टोग्राफ द्वारा सारणी के रूप में प्रदर्शित कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों में (भार, धारिता, लम्बाई, समय व मुद्रा आदि) मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कैलेण्डर पढ़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| घण्टा, मिनट, सेकण्ड के संबंध को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों में मानक इकाइयों में मापन एवं तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मापन की बड़ी इकाइयों एवं छोटी इकाइयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों (भार, धारिता, लम्बाई, समय व मुद्रा आदि) की मानक इकाइयों में मापन एवं तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| क्षेत्रफल एवं परिमाप की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| क्षेत्रफल एवं परिमाप के संबंध की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| क्षेत्रफल व परिमाप का अनुप्रयोग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / आवृत्ति ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| पाँच अंकों की संख्याओं को पढ़ने, लिखने व तुलना करने की समझ बनाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन या चार अंकों से तीन या चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना एवं उनकी तुलना तुल्य भिन्न की अवधारणा को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्न को दशमलव भिन्न में एवं दशमलव भिन्न को भिन्न रूप में लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| संक्रियाओं की समझ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जोड़–घटाव की ड्रिल्स हल कर पाना एवं इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों की संख्याओं में दो अंकों की संख्याओं के गुणा व भाग के इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| योग, घटाव, गुणन एवं भाग में परिणाम का अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणज़, समान गुणज़, सबसे छोटे समय गुणज़ की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणन खण्ड, समान गुणन खण्ड, सबसे बड़े समान गुणन खण्ड की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| समझ के आधार पर पहाड़े बना पाना एवं सुना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वैदिक गणित के निखिलम सूत्र का अनुप्रयोग गुणा में कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अमूर्त चिन्तन एवं समस्या समाधान के कौशल का विकास कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों (भार, धारिता, लम्बाई, समय व मुद्रा आदि) की मानक इकाइयों में मापन एवं तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्षेत्रफल एवं परिमाप की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| क्षेत्रफल एवं परिमाप के संबंध की समझ के साथ अनुप्रयोग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कैलेण्डर व पहेलियों की मदद से संख्याओं के संक्रिया आधारित पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

## प्रारूप–3 पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–5 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

| कक्षा–1 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| कक्षा–2 *संख्या ज्ञान की समझ **संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीजों की मात्रा गिनकर बता पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीज़ों की संख्या का अनुमान 100 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **दहाई में दहाई के बिना हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| बार–बार जोड़कर गुणा एवं बार–बार घटाकर भाग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| कक्षा–3 | *संख्या ज्ञान की समझ<br>**संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक →<br>टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * 1 से 999 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलना एवं अनुमान लगा पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उधार एवं उधार का घटाव स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 10 तक पहाड़े बना पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| कक्षा–4 | *संख्या ज्ञान की समझ<br>**संक्रियाओं की समझ | अनुक्रमांक →<br>टर्म ↓ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * चार अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना एवं चार अंकों की संख्याओं से परिचित हो पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चार अंकों तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलना कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।(भिन्न को आधा, चौथाई तथा तीन चौथाई के रूप में लिख पाना) | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ** दहाई में दहाई के गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरूपित कर बना पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 से 20 तक पहाड़े बनाना एवं याद कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चारों संक्रियाओं पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर समस्या हल कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सैंकड़े में दहाई व इकाई के भाग पर आधारित इबारती प्रश्न हल कर पाना। | | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–4 : शिक्षक अनुभव

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

## ik: i&5 Veokj ;kxkRed vkdyu

**कक्षा : 5**

¼;kxkRed vkdyu dh xzsM dk fu/kkZj.k ikVÔkfy;k] lrr jpukRed vkdyu pkdfyLV] d{kk&dk;Z]x`g&dk;Z] ;kstuk Mk;jh dh leh{kk] ekSf[kd fØ;k,¡] ifjppkZ] d{kk&d{kh; izfØ;k,¡] f'k{kd vuqHko ,oa fo|kFkhZ }kjk fd, x, dk;ksZ o isij isafUly VsLV vkfn dks /;ku esa j[k dj fd;k tkuk gSA½

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आकृति एवं स्थान की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कोण के सापेक्ष चीजों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कोणों के प्रकार, कोणों की रचना तथा मापन संबंधित क्रियात्मक कार्य की समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संख्या ज्ञान की समझ** **कक्षा स्तर** | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीजों को गिनकर बता पाना व लिख पाना। । 1–99 (कक्षा–1) । 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3) । चार अंकों तक की (कक्षा–4) । चार अंकों से अधिक (कक्षा–5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं की तुलना कर पाना। । 1–50 (कक्षा–1) । 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3) । चार अंकों तक की (कक्षा–4) । चार अंकों से अधिक (कक्षा–5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चीजों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना। । 1–50 (कक्षा–1) । 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3) । चार अंकों तक की (कक्षा–4) । चार अंकों से अधिक (कक्षा–5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना। । 1–50 (कक्षा–1) । 1–100 (कक्षा–2) । 1–999 (कक्षा–3) । चार अंकों तक की (कक्षा–4) । चार अंकों से अधिक (कक्षा–5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व चित्र संकेतिकरण एवं दिये गये अंकों से सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भिन्न की समझ बना पाना। • अवधारणात्मक (कक्षा–3) • तुलना (कक्षा–4 व 5 ) • संख्या रेखा पर निरूपण और तुल्य भिन्न की समझ (कक्षा–5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **संक्रियाओं की समझ** / **कक्षा स्तर** | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना। । एक अंक का (कक्षा–1) । दो अंकों का (कक्षा–2) । दो अंकों का हाँसिल सहित (कक्षा–3) । तीन अंकों का हाँसिल सहित (कक्षा–4) । तीन अंकों से अधिक का हाँसिल सहित (कक्षा–5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| पहाड़े बनाना एवं याद करना। • 1–10 ( कक्षा–3) • 11–20 (कक्षा–4 व 5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गुणा व भाग की समझ बना पाना ।<br>• अवधारणात्मक (कक्षा–2 व 3 दोनों)<br>• गुणा चिह्न से परिचय (कक्षा–3)<br>• कलन विधि (कक्षा–4 व 5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वैदिक गणित के सूत्र एकाधिकेन एवं एक न्यूनेन की समझ बना पाना।<br>• अवधारणा समझ पाना। ( कक्षा–3)<br>• सहायता से जोड़ व घटाव करना। (कक्षा–4)<br>• सूत्र निखिलम से गुणा करना। (कक्षा–5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। । जोड़ व घटाव बिना हाँसिल (कक्षा–2) । जोड़, घटाव, गुणा व भाग (कक्षा–3 से 5) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चारों संक्रियाओं योग, घटाव, गुणन एवं भाग में परिणाम का अनुमान लगा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **मापन की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| चीजों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (जोड़, घटाव, गुणा व भाग के प्रयोग द्वारा) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| कैलेण्डर पढ़ पाना व माह, दिन व दिनांक की समझ बना पाना तथा घण्टा, मिनट एवं सेकण्ड के संबंध को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विविध भौतिक राशियों का मापन मानक इकाईयों की समझ से कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्षेत्रफल व परिमाप की प्रारम्भिक समझ के साथ अनुप्रयोग कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना। । चित्रों से । चित्रों की संख्याओं में । परिवेशीय डिजाइनों में आदि। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना।<br>• संख्या रेखा पर<br>• जोड़–घटाव, गुणा–भाग पर आधारित | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना।<br>। संकलन । संगठन<br>। आलेख निरूपण । विश्लेषण | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# प्रारूप–6 शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

| अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक | अनुक्रमांक → / टर्म ↓ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना) | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **गणित के प्रति रुझान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना। | I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

# टिप्पणी